सूचनाः- प्राणप्यारे अव्यक्त बापदादा की अति स्नेही, सबको रूहानी स्नेह की पालना देने वाली मोदीनगर, मेरठ आदि अनेक सेवाकेन्द्रों का सुचारू रूप से संचालन करने वाली, सर्व ब्राह्मण परिवार की अति प्रिय, अथक सेवाधारी विनोद बहन, जो कि पिछले 48 वर्षो से समर्पित रूप से अपनी सेवायें दे रही थी। कुछ समय से आपको सुगर की तकलीफ थी, पिछले एक मास से अपने ग्लोबल हॅस्पताल में इलाज चल रहा है। कल दिनांक 28 नवम्बर 2014 को प्रातः 6.00 आप हार्ट अटैक से अपना पुराना शरीर छोड़ बापदादा की गोद में चली गई। आज मेरठ, मोदीनगर दिल्ली आदि से लौकिक अलौकिक परिवार के पहुंचने पर सायं 3.00 बजे मधुबन के चारों धामों की यात्रा कराते हुए अन्तिम संस्कार किया जायेगा।